ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 12-12-2025

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-13	2025-12-14	2025-12-15	2025-12-16	2025-12-17
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.8	19.6	20.0	19.0	18.8
न्यूनतम तापमान(से.)	9.4	9.8	10.2	9.9	9.7
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	70	68	65	63
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	32	29	26
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	4	4	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	280	290	90	310	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	1	1	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले हफ़्ते में बारिश नहीं होने का अनुमान है और ज़्यादा से ज़्यादा तापमान 19.0-20.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.0-10.0oC के बीच रहेगा। हवा पश्चिम-उत्तर, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा से 3-8 किमी प्रति घंटा की रफ़्तार से चलने की उम्मीद है। आने वाले हफ़्ते के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और आने वाले हफ़्ते में मौसम सूखा रहने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

मौसम की कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कृषि पर कोई असर नहीं और उससे जुड़ी कोई सलाह नहीं

सामान्य सलाहकार:

किसान और खेती से जुड़े हुए लोगों के लिए नियमित मौसम की जानकारी और बारिश के अलर्ट के लिए “मौसम” ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे दूसरे ऐप भी मौसम और बिजली के पैमाने के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान 12.12.2025 से 18.12.2025 के दौरान कम बारिश, अधिकतम और न्यूनतम तापमान का सामान्य रुझान दिखाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, कोई खास चेतावनी जारी नहीं की गई है और मौसम सूखा रहने की उम्मीद है, इसलिए फसलों में ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और नियमित अंतराल पर फसलों में निराई-गुड़ाई का काम करना चाहिए।
मसूर की दाल	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और नियमित अंतराल पर फसलों में निराई-गुड़ाई का काम करना चाहिए।
रेपसीड	फसल पर नियमित नज़र रखनी चाहिए और फसल की ज़रूरत के हिसाब से घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कीड़े/बीमारी के हमले के मामले में बताए गए तरीकों को अपनाना चाहिए।फसल पर नियमित नज़र रखनी चाहिए और फसल की ज़रूरत के हिसाब से घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कीड़े/बीमारी के हमले के मामले में बताए गए तरीकों को अपनाना चाहिए।
सरसों	फसल पर नियमित नज़र रखनी चाहिए और फसल की ज़रूरत के हिसाब से घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कीड़े/बीमारी के हमले के मामले में बताए गए तरीकों को अपनाना चाहिए।
गेहूँ	सिंचाई तथा बारिश वाली, दोनों तरह की स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और खेती के सही तरीकों को अपनाना चाहिए और उसी के हिसाब से काम करना चाहिए।
जौ	निराई-गुड़ाई के काम के लिए फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करनी चाहिए और खेत में खाद डालने के लिए गाय के गोबर का इस्तेमाल करना चाहिए।
आलू	घाटियों में पाले वाले समय पर आलू की फसल को सही समय पर सिंचाई करनी चाहिए।
गोभी	फूलगोभी की रोपाई की गई किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए और निराई-गुड़ाई का काम नियमित करना चाहिए।
सेब	सेब, नाशपाती, आड़ू, आलूबुखारा और खुमानी में बीमारियों से बचाव के लिए छंटाई के बाद बताए गए तरीकों को पेड़ों का ख्याल रखने के लिए अपनाना चाहिए।
नाशपाती	सेब, नाशपाती, आड़ू, आलूबुखारा और खुमानी में बीमारियों से बचाव के लिए छंटाई के बाद बताए गए तरीकों को पेड़ों का ख्याल रखने के लिए अपनाना चाहिए।
आड़ू	सेब, नाशपाती, आड़ू, आलूबुखारा और खुमानी में बीमारियों से बचाव के लिए छंटाई के बाद बताए गए तरीकों को पेड़ों का ख्याल रखने के लिए अपनाना चाहिए।
बेर	सेब, नाशपाती, आड़ू, आलूबुखारा और खुमानी में बीमारियों से बचाव के लिए छंटाई के बाद बताए गए तरीकों को पेड़ों का ख्याल रखने के लिए अपनाना चाहिए।
खुबानी	सेब, नाशपाती, आड़ू, आलूबुखारा और खुमानी में बीमारियों से बचाव के लिए छंटाई के बाद बताए गए तरीकों को पेड़ों का ख्याल रखने के लिए अपनाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	सर्दियों में ज़्यादा ऊर्जा देने वाले खाने की चीज़ों की मात्रा 25 प्रतिशत बढ़ा देनी चाहिए। बंधे हुए जानवरों को व्यायाम के लिए छोड़ देना चाहिए और धूप में रखना चाहिए।
गाय	सर्दियों में ज़्यादा ऊर्जा देने वाले खाने की चीज़ों की मात्रा 25 प्रतिशत बढ़ा देनी चाहिए। बंधे हुए जानवरों को व्यायाम के लिए छोड़ देना चाहिए और धूप में रखना चाहिए।
बकरा	जानवरों को घास चराने के लिए तभी ले जाना चाहिए जब पाला सूख जाए, नहीं तो उन्हें पाले वाले चारे से एंटरोटॉक्सिमिया होने का खतरा रहता है। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए समय पर बाड़े में लाना चाहिए।
भेड़	जानवरों को घास चराने के लिए तभी ले जाना चाहिए जब पाला सूख जाए, नहीं तो उन्हें पाले वाले चारे से एंटरोटॉक्सिमिया होने का खतरा रहता है। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए समय पर बाड़े में लाना चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	पाला/कोहरा पड़ने पर खेतों में नियमित अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई खास मौसम चेतावनी नहीं और कोई खास असर नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई खास सलाह नहीं।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details